1	2	3
19	Raymond Woollen Mills Ltd.	480.00
20	First Leasing Company of India Ltd.	50.00
21	Naveen Hotels Ltd.	20.00
22	Elel Hotels and Investment Ltd.	150.00
23	Indian Rayon Corpn. Ltd.	1000.00
24	Kanoria Chemicals and Industries Ltd.	125.00
25	Bharat Forge Co., Ltd.	200.00
26	Punjab Tractors Ltd.	150.00
27	Hindustan Development Corpn. Ltd.	150.00
28	Camphor & Allied Products Ltd.	100.00
29	Polycham Ltd.	50.00
30	Seamens India Ltd.	500.00
31	Cheviot Company Ltd.	75.00
32	Kirlosker Oil Engines Ltd.	200.00
33	Bhavana Chemicals Ltd.	20.00
34	Madura Courts Ltd.	350.00
35	Voltas Ltd.	500.00
36	Inidan Aluminium Co. Ltd.	1045.00
37	Macneill & Magor Ltd.	300.00
38	Mukund Iron & Steel Works Ltd.	100.00

आयकर अधिकारियों द्वारा मारे गये छापों में पकड़े गए लेखा बाह्य आभूषण आदि

7326. श्रीमती किशोरी सिन्हा : क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) आयकर अधिकारियों द्वारा 1980 से अब तक मारे गये छापों में कितनी कीमत के आभूषण जवाहारात, सोना, चांदी, हीरे आदि पकड़े गये हैं ; जिन्हें हिसाब किताब में नहीं दर्शाया गया है ; और

(ख) दोषी व्यक्तियों के खिलाफ क्या कार्यवाही की गई है ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सवाई सिंह सिसोदिया) : (क) 1 अप्रैल, 1980 से 31 मार्च, 1981 के दौरान आयकर विभाग द्वारा ली गई 3746 तलाशियों में लगभग 1926 लाख रु० मूल्य की ऐसी परिसम्पत्तियां पकड़ी गई जिनमें नकदी, सोना-चांदी, जवाहारात तथा अन्य बहुमूल्य वस्तुएं/चीजें शामिल है।

(ख) इन मामलों में कानून के अनुसार कार्यवाही की जा रही है।

दामोदर जीवराज हेमराज जीवराज न्यास, बम्बई

7327. श्री राम सिंह शाक्य : क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गम्देवी पुलिस थाना, बम्बई-2 के निकट दामोदर जीवराज हेमराज जीवराज न्यास की स्थापना कब की गई थी और इसकी स्थापना से लेकर अब तक इसके न्यास में कितनी धनराशि लगाई गई है और निवेश की तारीख क्या है ;

(ख) क्या सरकार ने न्यास के लिए कोई आचार संहिता बनाई है और यदि हां, तो तत्सम्बन्धी ब्योरा क्या है ;

(ग) उक्त उल्लिखित न्यास में न्यासियों की संख्या कितनी है और उन न्यासियों की ड्यूटियां और कार्य क्या हैं और गत तीन वर्षों के दौरान इन न्यासियों द्वारा अपनी प्रत्येक गतिविधि पर कितनी धनराशि खर्च की गई है ;

(घ) क्या उक्त कथित न्यास के न्यासी न्यास की पूंजी को अपने व्यापार में लगा रहे हैं; और

(ङ) यदि हां, तो किस नियम के अन्तर्गत न्यासियों के न्यास की पूंजी को अपने व्यापार में लगाया है ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सवाई सिंह सिसोदिया) : (क) से (ङ) दामोदर जीवराज हेमराज जीवराज न्यास नामक कोई न्यास नहीं है की गयी पूछताछ से पता चलता है कि कामन में धर्मशाला नाम से एक न्यास है और अन्य धर्मार्थ न्यासों का कार्यालय जे० के० बिल्डिंग, गामदेवी, बम्बई-7 में है । इस न्यास के रिकार्डों से पता चलता है कि अन्य बातों के साथ-साथ, न्यास के पास दामोदर जीवराज हेमराज जीवराज निधि के नाम से एक निधि हैं । न्यास के रिकार्डों से पता चलता है कि यह न्यास 23 मार्च, 1942 को नकद 65,854 रु० के प्रारम्भिक पूंजी-निवेश से अस्तित्व में आया था । आयकर विवरणियां, केवल कर-निर्धारण वर्ष 1971–72 से ही दाखिल की गई हैं । निकाय केवल में 25 अप्रैल, 1942 से 30 अक्तूबर, 1970 तक कुल वृद्धियां 2,36,128 रु० की की गयीं । इन वृद्धियों के बारे में कोई ब्योरे उपलब्ध नहीं हैं ।

नवीनतम रिकार्डों से उपलब्ध सूचना से पता चलता है कि इस में तीन न्यासी हैं। न्यासियों के कर्तव्य और कार्य न्यास-निधि रखना और निधि की जमा रकमों को मूलजी जेठा मार्केट, बम्बई के मैसर्स बालजी श्यामजी एण्ड कम्पनी अथवा अन्य फर्म अथवा इसकी अनुवर्ती फर्मों अथवा किसी बैंक में रखना, किसी कम्पनी की प्रतिभूतियों अथवा ऋण-पत्रों अथवा अचल सम्पत्ति की खरीद का ब्योरा रखना है । न्यास के उद्देश्य निम्न प्रकार हैं :–

(1) कामन स्थित हिन्दू धर्मशाला का रख-रखाव ।

(2) अंकोट में महाप्रभुजी देवता की बैठक ।

(3) बोरीबिली स्थित हिन्दुओं के आरोग्य धाम का रख-रखाव।

(4) गोकुल में गायों आदि को खुराक उपलब्ध कराना ।

कर निर्धारण वर्ष 1978–79 तथा 1980–81 के खर्च का विवरण निम्न प्रकार है :

	1978–79	1980–81
बोरीबिली आरोग्यधाम	57,944	86,441
कामन स्थित धर्मशाला	7,803	11,356
कामन स्थित साधुओं की भोजन व्यवस्था	200	200
गाय की खुराक	100	—
	66,047	97,997

वर्ष 1979–80 का कोई विवरण उपलब्ध नहीं है, परन्तु कुल खर्च की रकम 70,300 रुपए है ।

न्यास के बारे में ऐसी कोई सूचना नहीं है कि न्यास ने अपनी पूंजी कारोबार अथवा न्यासियों के व्यापार में लगायी है।

(ख) धारा 11 के अधीन आयकर से छूट की मांग करने वाले न्यासों का आयकर कानून के उपबन्धों का पालन करना होता है । न्यासों के लिए अलग से कोई आचार-संहिता नहीं बनायी गई है ।